ई-समाचार

द्विमासिक समाचार पत्रिका

अंक – 03 | जनवरी-फरवरी | वर्ष - 2015

नव वर्ष की शुभकामनाएँ

संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो. सुजीत रॉय ने संस्थान के सभी सदस्यों को नववर्ष 2015 की शुभकामनाएं दी और कामना की नव वर्ष सभी के जीवन में सुख की अनुभूति लाए, शांति प्रदान करे, खुशहाली लाए और दिन प्रतिदिन सभी सफलता एवं समृद्धि को प्राप्त करें।

उन्होंने यह भी कहा कि नववर्ष की शुरुआत हो चुकी है। गत वर्ष हमने कई उपलब्धियाँ प्राप्त की। हमारे कई संकाय सदस्यों को विश्व में पुरस्कृत किया गया और उन्होंने अपने कार्य प्रदर्शन से संस्थान को गर्वामंडित किया। संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में फैले पारगमन क्षेत्र से कार्य कर रहा है जिसके कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। याद रखिए कभी भी किसी चीज़ के निर्माण के दौरान हमेशा कठिनाइयाँ उत्पन्न होती है और जो इन कठिनाइयों का सामना कर पाता है वह ही प्रगति के मार्ग पर प्रशस्त होता है। यह नव वर्ष हमारे लिए एक नई खुशियाँ लेकर आ रहा है। हम इस वर्ष अपने स्थाई परिसर से अरुगुल से कार्य करना प्रारंभ कर देंगे। आशा करता हूँ कि यह नव वर्ष हमारे संस्थान के लिए और इसके सभी सदस्यों के लिए मंगलकारी हो।

जय हिंद

गणतंत्र दिवस

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान के सामंतपुरी परिसर में 66 वें गणतंत्र दिवस का अनुपालन किया गया। संस्थान के छात्रगण, संकाय सदस्यों एवं स्टाफ सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए संस्थान के सुरक्षा कर्मियों ने निदेशक महोदय को सलामी दी। तदोपरांत निदेशक महोदय द्वारा ध्वाजारोहण किया गया। तदोपरांत उपस्थित सभी जनगणमान्यों ने राष्ट्रगान कर इस पुनीत तिथि का अनुपालन किया। निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में उपस्थित सभी को

66 वें गणवतंत्र दिवस की बधाई दी। उन्होंने सभी छात्रों को देश की सेवा की भावना से ओतप्रोत होने की अपील की। उन्होंने कहा कि यहाँ से निकलने वाले छात्रों को देश की आवश्यकता के अनुरूप देश सेवा की भावना से कार्य करना होगा तभी उनकी शिक्षा का महत्व सिद्ध हो सकेगा और देश विकास के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारा संस्थान विभिन्न परिसरों से परिचालित हो रहा है जिसके कारण संस्थान के सदस्यों

को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उम्मीद है कि इस वर्ष संस्थान के कुछ विद्यापीठ अपने स्थाई परिसर से कार्य करना प्रारंभ कर देंगे जिससे आप सभी लोगों को हो रही समस्याओं का समाधान हो सकेगा। उन्होंने अपने संबोधन में एकता, स्वच्छता आदि विषयों पर जोर देते हुए संस्थान के सभी सदस्यों को इसे अपने जीवन में ढालने हेतु अपील की। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों के बीच जलपान वितरित किया गया।

अल्मा फिस्टा—2015

अल्मा फिस्टा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर का सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सव है। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी यह बड़ी धूम-धाम से आयोजित किया गया। विदित है कि अल्मा फिस्टा की शुरुआत वर्ष 2010 में पहली बार हुई थी तब से लेकर अब तक यह देश के सर्वश्रेष्ठ सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों में से एक बना हुआ है। यह उत्सव सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिवर्तन का प्रकाश स्तंभ है। इस उत्सव में नृत्य, संगीत, नाटक एवं ललित कला एवं ऐसे ही अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। प्रयत्न, यूथ मैराथॉन एवं प्लेथोरा जैसे कार्यक्रम ने सिर्फ युवाओं की प्रतिभाओं को नहीं उखेरा है, बल्कि उनमें सामाजिक दायित्व की भावना भी उत्पन्न की है। यह कार्यक्रम संस्थान के छात्रों की कलाप्रियता को प्रदर्शित करता है और उन्हें प्रबंधकीय गुर सिखाने में सहायता प्रदान करता है।

इस उत्सव के मुख्य प्रायोजकर्त्ता है – राइनो, द टेलिग्राफ, एअरटेल, 9एक्सएम, पावरग्रिड, नालको, एमसीएल, इम्पा, होंडा, स्टेट बैंक, लाइन, ईबे, सावन, ऊर्जा बिस्लेरी आदि थे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न कॉलेजों से लगभग 3000 छात्रों ने इस दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लिया और अपनी सांस्कृतिक एवं सामाजिक प्रियता से श्रोताओं एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम का समापन स्टार नाइट के साथ हुआ जिसमें प्रसिद्ध गायक गजेंद्र वर्मा ने अपनी मधुर गीतों एवं संगीत से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विज़ेनियर —2015

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का प्रौद्योगिकी-प्रबंधन उत्सव विज़ेनियर 2015 का आयोजन 30 जनवरी से 01 फरवरी 2015 तक आयोजित किया गया। यह उत्सव ओडिशा को ज्ञान का हब बनाने हेतु प्रोत्साहित करता है। विज़ेनियर उत्सव तकनीकी एवं प्रबंधकीय कार्यक्रमों का एक समूह जिसमें अनेक प्रकार के तकनीकी एवं प्रबंधकीय कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह उत्सव अनुसंधान गतिविधियों को कार्यान्वित करता है, जो उत्पाद डिजाइन एवं उत्पाद सृजन आदि जैसे कार्यों को प्रोत्साहित कर राष्ट्र को प्रगति की ओर अग्रसारित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान सिद्ध करता है। इस वर्ष उत्सव में ग्रीन वेंचर, रेप्लिका, क्रिएटिव, स्मार्ट फ्रेम, ट्रीबुचेट, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉन्ट्रिवेंस, शेरलॉक, लान वार, फाइनेंजा, रॉस्ट्रम, प्लान दे नेगोसियस, पिच्ड, रिचटिग, केडेक, पास ऑन, मैथ्स ऑलम्पियाड, ब्रेक द लॉ, स्मेश द बैग, बिज क्विज़, टेक क्विंज़, नेविगेटर, रेस्क्यु बॉट, किक ऑफ, रोबो वार्स, पिक्सेमोनिया, कॉलिक्यू मैटलर्जी, कॉलिक्यू मैकानिकल, कॉलिक्यू इकोनॉमिक्स, कॉलिक्यू कंप्यूटर साईंस आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए थे और साथ ही इस वर्ष के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉ.पी.जी.अग्रवाल, डब्बावाला के नाम से प्रसदद्धि , प्रबंधन गुरु का व्याख्यान सत्र था जिन्होंने सभी उपस्थित छात्रों का ज्ञानवर्धन किया।

सातवाँ स्थापना दिवस

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर द्वारा 12 फरवरी 2015 को सातवाँ स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ओडिशा राज्य सरकार के मुख्य सचिव श्री गोकुल चंद्र पति तथा सम्मानीय अतिथि के रूप में डॉ. फ्रेंक मार्कस, निदेशक हुरीकेन अनुसंधान मंडल, एनओएए अटलांटिक ओसेनेग्राफिक एंड मेटेरोलॉजिकल लेबोरेटरी, मियामी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभांरभ संस्थान के सामंतपुरी परिसर में पौधरोपण के साथ हुआ जिसमें निदेशक, उपनिदेशक, संकाय सदस्यों सहित दोनों अतिथियों ने संस्थान परिसर में पौधरोपण किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पति ने चतुर्थ स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्थान निदेशक ने उपस्थित दोनों अतिथियों को संस्थान चिह्न से सम्मानित किया। व्याख्यान के उपरांत श्री गणेश, तृतीय वर्ष छात्र, यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ को भा.प्रौ.सं. बॉम्बे में आयोजित 50वाँ भा.प्रौ.सं. खेलकूद सम्मेलन के तहत तैराकी प्रतियोगिता के 50 मि. बटरफ्लाइ में प्रथम और 50 मिटर फ्री स्टाइल में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर उन्हें संस्थान की ओर 10,000/- तथा 8,000/- रुपए की नकद राशि पुरस्कार भेंट की गई। इसके साथ भा.प्रौ.सं. खड़गपुर में आयोजित स्प्रिंग फेस्ट में नाटक सोसायटी एवं सिनेमिटक द्वारा शानदार विजयी प्राप्त कर लौटने पर उन्हें स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का आकर्षण मयुरभंज छाऊ डांस एवं छात्र ड्रामेटिक सोसायटी का प्रदर्शन रहा जिसने उपस्थित दर्शकों की वाह-वाह बटोरी तथा अपने प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध कर लिया।

कार्यस्थल में महिला उत्पीड़न पर प्रशिक्षण—सह—कार्यशाला

संस्थान की महिला शिकायत एवं निवारण समिति ने 20 फरवरी 2014 को वर्चुअल क्लास रूम में "कार्यस्थल में महिला पर होने वाले यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम 2013" विषय पर प्रशिक्षण सह-कार्यशाला आयोजित की। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान कार्यवाहक निदेशक प्रो. सुजीत रॉय ने किया। कार्यक्रम में प्रो.एस.त्रिपाठी, उपनिदेशक, प्रो.वी.आर.पेदिरेड्डी, संकायाध्यक्ष (सीईपी) भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.एल.आर.अग्रवाल, पूर्व-कुलपति, महाऋषि विश्वविद्यालय, लखनऊ और उनके सहयोगी एवं प्रशिक्षक श्री विवेक कुमार भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों का पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत के साथ हुआ। संस्थान निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि आज महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचारों को रोकने की आवश्यकता है। सम्यक जानकारी न होने तथा अपनी मानसिक चेतना पर नियंत्रण न रख पाने के कारण इस तरह के उत्पीड़न की शिकायतें सुनने में आती हैं। हमें प्रत्येक महिला को सम्मान देना आना चाहिए। उन्होंने संस्थान की महिला शिकायत एवं निवारण समिति को बधाई दी और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम निरंतर आयोजित होने से संस्थान के कर्मचारियों को इन विषयों की अधिक जानकारी हो सकेगी। उन्होंने अपने संबोधन में कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।

यह कार्यक्रम दो सत्र में आयोजित किया गया था। प्रथम सत्र संस्थान के स्टाफ सदस्यों के लिए और द्वितीय सत्र संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों में जागरुकता उत्पन्न करना तथा क्षमता का निर्माण करना था। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता डॉ. अग्रवाल ने इस विषय के धरातल पर जाते है श्रोताओं के समक्ष सटीक उदाहरणों के साथ व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान इस विषय के ऐताहासिक विकास, विधायी यात्रा, अधिनियम के मुख्य विशेषता, सर्वेक्षण एवं साहित्य पर मुकदमा कानून, शिकायत तंत्र

प्रक्रिया, आईसीसी-संयोजन, शिकायकर्ता महिला के प्रति नियोक्ता के अधिकार, शक्तियाँ, कार्य, दायित्व आदि पर सम्यक जानकारी दी।

सभी उपस्थित लोगों द्वारा कार्यक्रम की सराहना की गई। सभी प्रतिभागियों को लिंग असमानता, संवैधानिक प्रतिबद्धता एवं अंतरराष्ट्रीय समझौता जैसे डीईडीएडब्ल्यू के बारे सुनिश्चित कराया गया। संस्थान के प्रबंधन ने यौन उत्पीड़न रोधी नीति के प्रयास की सराहना की और इसे तत्काल प्रारंभ करने हेतु आशान्वित किया। कार्यक्रम में डॉ. सीमा बाहिनीपति के साथ समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

शैक्षणिक गतिविधाँ

1. प्रो. वी. आर. पेदिरेड्डी, प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ ने दिनांक 12-16 जनवरी 2015 के दौरान भारती विज्ञान संस्थान बेंगूलर में आयोजित वैज्ञानिक बैठक : एंडवांस इन स्ट्रक्चर एंव डायनामिक्स एवं फेराडे डिस्कसन मीटिंग " टेम्पोरेली एंड स्पेशियली रिजॉलब्ड मोलिक्यूलर साईंसर में "सुपरामोलिक्यूलर एस्मबीलिज़ ऑफ सम आर्गेनिक एनटाइटिस विथ – सीओओएच फंक्शनलियटी" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।
2. प्रो.वी.आर.पेदिरेड्डी, प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ ने दिनांक 11-13 फरवरी, 2015 के दौरान पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित एक्स रे टेक्निक्स फॉर कैरेक्टराइजेशन ऑफ मेटेरियल्स (एक्साआरसीएम) पर राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य भाषण प्रस्तुत किया।
3. डॉ. राजन झा, सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ ने दिनांक 20-22 फरवरी के दौरान कोलकाता में आयोजित XXXIX ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।

साहित्य स्तंभ

हरिवंशराय बच्चन हिन्दी के एक प्रसिद्ध साहित्यकार थे । इनका जन्म 1907 में इलाहाबाद में हुआ था। इलाहाबाद के कायस्थ परिवार में जन्मे बच्चन जी का वास्तविक नाम हरिवंश श्रीवास्तव था। इनको बाल्यकाल में बच्चन कहा जाता था जिसका शाब्दिक अर्थ बच्चा या संतान होता है। बाद में ये इसी नाम से मशहूर हुए। उनकी कृति "दो चट्टाने" को 1968 में हिन्दी कविता के साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मनित किया गया। सहजता और संवेदनशीलता उनकी कविता का एक विशेष गुण है। इस क्रम में उनको भावविनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रस्तुत है उनकी एक कविता जो आज के जीवन में कितनी यथार्थ उक्ति लगती है -

यहाँ सब कुछ बिकता है , दोस्तों रहना जरा संभल के !!!
बेचने वाले हवा भी बेच देते हैं, गुब्बारों में डाल के !!!
सच बिकता है, झूठ बिकता है, बिकती है हर कहानी !!!

तीन लोक में फैला है , फिर भी बिकता है बोतल में पानी!!!
कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे... टूट कर बिखर् जाओगे ।
जीना है तो पत्थर की तरह जियो;
जिस दिन तराशे गए... "खुदा" बन जाओगे ।।

- हरिवंशराय बच्चन

संपादक मंडल

मार्गदर्शक - डॉ. एस. एच.फारुक़, प्राध्यपाक प्रभारी (राजभाषा)

सलाहाकार - डॉ ए.के.सिंह, सहा. प्राध्यापक, एसबीएस, डॉ.आर.झा, सहा. प्राध्यापक, एसबीएस, डॉ. आर.के.सिंह, सहा. प्राध्यापक, एसईओसीएस

संपादक - श्री नितिन जैन, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

राजभाषा एकक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर द्वारा ई-माध्यम से प्रकाशित ई-समाचार पत्रिका।